



सी-डॉट ने 34वां स्थापना दिवस मनाया

Posted On: 30 AUG 2017 5:27PM by PIB Delhi

संचार मंत्री श्री मनोज सिन्हा ने दक्षेस और दुनिया के अन्य विकसित क्षेत्रों को निर्यात हेतु समुचित लागत में दूरसंचार उत्पादों के नवाचार व विकास के लिए सेंटर फॉर डेवलेपमेंट एंड टेलेमैटिक (सी-डॉट) का आह्वान किया। सी-डॉट के 34वें स्थापना दिवस के अवसर पर अपने संदेश में उन्होंने कहा कि भारत सरकार का प्रमुख दूरसंचार अनुसंधान एवं विकास केंद्र कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य देखरेख के क्षेत्रों में दूरस्थ प्रभाव वाले उत्पाद विकसित कर सकता है। उन्होंने कहा कि मशीन से मशीन के संचार के युग में, इंटरनेट से जुड़ी चीजें, 5जी, हाइपर स्पीड नेटवर्क संबंधी ज्ञान और आम आदमी के लिए समुचित दरों पर दूरसंचार अवसंरचना के विकास में सी-डॉट को एक मुख्य भूमिका निभानी होगी। सी-डॉट के नये इन्वेंशन 'विध्वन' के लांच का उल्लेख करते हुए श्री सिन्हा ने कहा कि निम्न नेटवर्क सिग्नल या नो-नेटवर्क वाले घरों और कार्यालयों जैसे स्थलों पर बार-बार सामने आने वाली कॉल ड्रॉप की समस्या के निदान के लिए इसे विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। उन्होंने सी-डॉट के स्थापना दिवस पर नियमित रूप से व्याख्यान श्रृंखला आयोजित करने, आईटी और इंजीनियरिंग क्षेत्र की राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभाओं को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए विचार-विमर्श के लिए आकर्षित करने हेतु बधाई दी।

दूरसंचार विभाग में सचिव सुश्री अरुणा सुंदरराजन ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान सरकार जिस तरह से डिजिटलीकरण को बढ़ावा दे रही है उससे ही देश आगे बढ़ सकता है। सी-डॉट डिजिटल अवसंरचना के अग्रणीय आपूर्तिकर्ता के रूप में उभर सकता है। क्योंकि इसके पास इसे हासिल करने के लिए असाधारण प्रतिभाएं और गहरी क्षमताएं दोनों हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश 70 से 80 प्रतिशत दूरसंचार उपकरणों का आयात करता है। सी-डॉट डिजाइन इन इंडिया, मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं के माध्यम से देश में ही अग्रणी दूरसंचार उपकरणों को विकसित करके आयात बिल को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। प्रमुख दूरसंचार अनुसंधान एवं विकास केंद्र की भूमिका की सराहना करते हुए सचिव ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में टेलीफोनी विनिमय के बाद देश अब स्थानीय अनुसंधान एवं विकास और स्थानीय उत्पादों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सी-डॉट संचालित जी-पॉन की अब तक की सबसे व्यापक ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी का साक्षी है। सी-डॉट के कार्यकारी निदेशक श्री विपिन त्यागी ने अपने संबोधन में कहा कि आने वाले वर्षों में संचार और इसके संगठनों को नई चुनौतियों का सामना करना होगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष इस परंपरा के क्रम में जी. तकनीकी कार्यशाला का आयोजन और जीबी मीमामसी व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन कर रहा है। इसमें दुनिया भर के कई क्षेत्रों के विशेषज्ञ, दूरसंचार के अनुभवी जनों और शिक्षाविद तेजी से बदलते संचार परिदृश्य में उपयोग कर्ताओं के सामने आने वाली चुनौतियों और असंख्य समस्याओं के समाधान के लिए नये नये तरीकों पर विचार विमर्श करके अपने अनुभव साझा करेंगे।

“सिक्थोर एंड इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग फॉर मशीन टू मशीन (एम टू एम)/ इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) डिवाइसिस” की दो दिवसीय कार्यशाला और व्याख्यान श्रृंखला में उद्योग, अनुसंधान एवं विकास के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, शैक्षणिक समुदाय और विद्यार्थी शामिल होंगे। इसमें आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर रामगोपाल राव, डीएसपी एंड वीएलएसआई डिजाइन में विशेषज्ञ डॉ. डेविड गारेट, अमरीका में काग्निटिव सोलूशन एंड मशीन (डीप) लर्निंग, एआई के विशेषज्ञ डॉ. समीर मित्तल जैसे विलक्षण वक्ता प्रासांगिक विविध विषयों पर अपने अनुभवों से लाभांवित करेंगे।

वीके/डीवी/एमएम -3576

(Release ID: 1501197) Visitor Counter : 23

